

मत भूल अरे इंसान तू है दो दिन का मेहमान

तेरी नेकी बदी ना प्रभु से छुपी सब देख रहा है भगवान
मत भूल अरे इंसान तू है दो दिन का मेहमान।

है जिसने बनाया मिठाई वही फूल कांटो के संग संग खिलाए वही
खेल जीवन मरण का रचाई वही डाले माटी के पुतले में जान
मत भूल अरे इंसान तू है दो दिन का मेहमान।

विधाता ने लिखा है उसे मान ले प्राण देता वही और वही प्राण ले
तेरे बस में है क्या बस ये जरा जान ले तू है निर्बल तो वो बलवान
मत भूल अरे इंसान तू है दो दिन का मेहमान।

तेरी नेकी बदी ना प्रभु से छुपी सब देख रहा है भगवान
मत भूल अरे इंसान तू है दो दिन का मेहमान।

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18482/title/mat-bhul-are-Insan-to-hai-do-din-ka-mehman>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |